नवसर्जन संस्कृति

PRGI No. UPHIN/25/A1698

नवसर्जन संस्कृति

PUBLISHED HIINDI DAILY FROM LUCKNOW, AHMEDABAD

वर्ष : 02
अंक : 173
दि. 22.10.2026,
गुरुवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

बंगाल में बिना हिंसा चुनाव कराना बड़ी सफलता, अब नशे के खिलाफ होगी जंग : अमित शाह

(जीएनएस)।

नई दिल्ली , केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर चाणक्यपुरी स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में पहली बार बिना हिंसा के चुनाव हुए। अब 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त कराने का लक्ष्य हासिल करने के लिए काम करेंगे। अमित शाह ने कहा, आज मैं देश की जनता से कहना चाहता हूं कि सरकार की सभी सेवाओं में यदि कोई सेवा सबसे कठिन है, तो वह पुलिस सेवा है। देश के हर नागरिक के लिए रक्षाबंधन, होली, दीपावली और ईद जैसे त्योहार होते हैं लेकिन पुलिसकर्मियों के लिए कोई त्योहार नहीं होता। जिस दिन हम सभी अपने परिवार के साथ त्योहार मनाते हैं, उस दिन भी हमारा कोई जवान ड्यूटी पर खड़ा रहकर आंतरिक सुरक्षा की चिंता करता है, कहीं यातायात व्यवस्था संभालता है, तो कहीं लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है। अपने जीवन के स्वर्णिम दौर को परिवार से दूर रहकर राष्ट्र को समर्पित करना अपने आप में बहुत बड़ी सेवा है। आज पूरे देश में ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जहां पुलिस के जवानों ने अभूतपूर्व धैर्य, संयम, अनुशासन, वीरता और समर्पण का परिचय देते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया है।

गृह मंत्री ने कहा, देश में चारों ओर शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बिहार में चुनावी हिंसा पर अंकुश लगाने में सफलता मिली है लेकिन पश्चिम बंगाल में चुनावी हिंसा की घटनाएं लंबे समय से सामने आती रही हैं। हर चुनाव में 25, 50, 100 और यहां तक कि 200 नागरिकों तक की मौत हो जाती है।

अमित शाह ने कहा, मैं सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) के जवानों को बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में बिना किसी व्यक्ति की मृत्यु के चुनाव संपन्न कराने में हमारे सुरक्षा जवानों को बड़ी सफलता मिली है। इसके लिए आपने एक नया मानदंड स्थापित किया है। आज पूरा देश चुनावी हिंसा से मुक्त होने की दिशा में आगे बढ़ा है। विगत कुछ वर्षों में देश के सामने कई ऐसी समस्याएं थीं, जिनका हम दशकों से सामना कर रहे थे। इनमें से कुछ

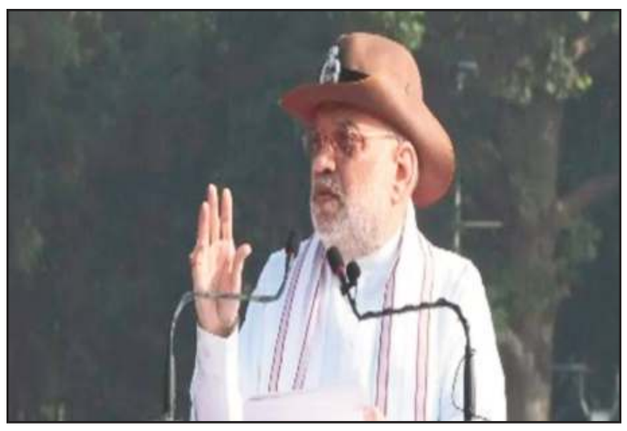

क्षेत्र आंतरिक सुरक्षा की दृष्टि से बेहद संवेदनशील माने जाते थे। कश्मीर, पूर्वोत्तर और लाल आतंक से प्रभावित क्षेत्र-इन तीनों हॉटस्पॉट में आज शांति का माहौल है, विकास का वातावरण बना है और ये क्षेत्र अब देश के अन्य हिस्सों के साथ विकास की प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं।

गृह मंत्री ने कहा, कश्मीर में आतंकवाद पर लगभग पूरी तरह अंकुश लगाने में हमें सफलता मिली है। कई दशकों तक हजारों लोगों की जान लेने वाले संघर्ष के बाद आज पूरा पूर्वोत्तर शांति के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। वहीं, पांच दशक पुरानी और अनेक राज्यों में फैली नक्सलवाद की समस्या को पूरी तरह समाप्त करने में हमारे पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के जवानों को बड़ी सफलता मिली है। नक्सलवाद की समाप्ति के लिए मैं विशेष रूप से सीआरपीएफ और कोबरा बटालियन के जवानों को बहुत-बहुत साधुवाद और बधाई देना चाहता हूं। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ पुलिस ने भी बहुत बहादुरी, दृढ़ता और धैर्य के साथ इस समस्या से निपटने में अपना सर्वस्व समर्पित किया है। मैं छत्तीसगढ़ पुलिस को भी बहुत-बहुत साधुवाद देना चाहता हूं। लेकिन मित्रों, देश अभी सभी समस्याओं से मुक्त नहीं हुआ है। हमारे सामने कई चुनौतियां हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय ने तय किया है कि वर्ष 2026 के शेष महीनों और आगामी वर्षों में हम सभी मिलकर नशे के खिलाफ संयुक्त लड़ाई लड़ेंगे और 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशे की समस्या से मुक्त कराने का लक्ष्य हासिल करने के लिए काम करेंगे। यह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण लक्ष्य है।

गृह मंत्री ने कहा, यह लक्ष्य पिछले तीन सुरक्षा हॉटस्पॉट की चुनौतियों से निपटने जितना ही महत्वपूर्ण है, क्योंकि नशे की समस्या हमारी आने वाली पीढ़ियों को खोखला करती है, हमारे अर्थतंत्र पर भारी बोझ डालती है और देशविरोधी गतिविधियों में शामिल संगठनों को आर्थिक सहायता पहुंचाने का माध्यम भी बनती है। मैं आज देशभर की पुलिस से आह्वान करना चाहता हूं कि हमने नशामुक्त भारत का जो रोडमैप तैयार किया है और देश के प्रधानमंत्री मोदी ने हमारे सामने जो लक्ष्य रखा है, उसकी प्राप्ति के लिए पूरी प्रतिबद्धता और मनोयोग से जुट जाएं, ताकि हम अपनी आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित कर सकें।

योगी सरकार का पुलिसकर्मियों को तोहफा, मोटरसाइकिल और वर्दी भत्ते में बढ़ोतरी का ऐलान

(जीएनएस)।

लखनऊ, पुलिस स्मृति दिवस-2026 के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुलिसकर्मियों को राहत देते हुए मोटरसाइकिल और वर्दी भत्ते में बढ़ोतरी की घोषणा की। रिजर्व पुलिस लाइन में आयोजित स्मृति परेड के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन में लंबित मांगों पर विचार करते हुए भत्तों में वृद्धि के फैसले लिए जा रहे हैं।मुख्यमंत्री ने फील्ड ड्यूटी में तैनात उपनिरीक्षक और निरीक्षक स्तर के पुलिसकर्मियों का मोटरसाइकिल भत्ता 700 रुपये से बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह करने की घोषणा की। वहीं,

पीपीएस संवर्ग के अधिकारियों का वर्दी भत्ता 6,400 रुपये से बढ़ाकर 15,000 रुपये किया जाएगा।इसके अलावा फील्ड ड्यूटी में तैनात आरक्षियों और मुख्य आरक्षियों का भत्ता 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये करने का ऐलान किया गया। सरकार के इन फैसलों का उद्देश्य पुलिसकर्मियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों पर कार्रवाई करना और ड्यूटी के दौरान उन्हें आर्थिक राहत प्रदान करना है।

रिटायर हो रहे वायुसेना प्रमुख एपी सिंह ने भरी आखिरी उड़ान, जहां से शुरू हुआ था करियर, वहीं 'किरण' उड़ाकर गुरु संग ताजा कीं यादें

(जीएनएस)।

हैदराबाद, भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने मंगलवार को अपनी सेवा के अंतिम पड़ाव पर एक बेहद भावुक और यादगार उड़ान भरी। इस महीने के अंत में सेवानिवृत्त हो रहे वायुसेना प्रमुख ने हैदराबाद के नजदीक डुंडीगल स्थित प्रतिष्ठित एयर फोर्स एकेडमी (स्त्र) में 'किरणश्र ट्रेनर विमान से अपनी आखिरी ट्रेनर सॉर्टी पूरी की। उड़ान पूरी कर रनवे पर उतरने के बाद वायुसेना की परंपरा के अनुसार उन्हें भव्य 'वाटर कैनन सैल्यूटश्र देकर सम्मानित किया गया।

40 साल पहले के गुरु के साथ कॉकपिट में भरी उड़ान

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह के लिए यह पल पुरानी यादों को जीवंत करने वाला था। उन्होंने एकेडमी में अपने पूर्व फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर रहे विंग कमांडर (रिटायर्ड) वीएस कोचर के साथ इस ट्रेनर विमान में उड़ान भरी।

डुंडीगल एकेडमी वही ऐतिहासिक जगह है, जहां से चार दशक पहले उनके शानदार फ्लाइंग करियर की नींव पड़ी थी और उन्होंने शुरूआती दिनों में इसी 'किरणश्र एयरक्राफ्ट से आसमान नापना सीखा था।

1984 में बने थे 'स्वोर्ड ऑफ ऑनरश्र

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह का इस संस्थान से गहरा जुड़ाव रहा है। वह वर्ष 1984 में एयर फोर्स एकेडमी से प्रतिष्ठित 'स्वोर्ड ऑफ ऑनरश्र हासिल कर वायुसेना में कमीशंड हुए थे। एकेडमी से लेकर वायुसेना के शीर्ष पद तक का उनका सफर भारतीय सैन्य इतिहास की सबसे गौरवशाली यात्राओं में से एक रहा है।

12 अक्टूबर को तेजस से भरी थी अंतिम फाइटर सॉर्टी

ट्रेनर विमान की इस विदाई उड़ान से पहले वायुसेना प्रमुख ने अपनी आखिरी फाइटर जेट सॉर्टी 12 अक्टूबर को पूरी की थी।

अराघची का दावा, अमेरिका ने ईरान के एक प्रस्ताव पर भरी हामी, कुछ शर्तें जोड़ने का किया अनुरोध

तेहरान , ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने दावा किया है कि अमेरिका ने तेहरान के प्रस्ताव को मान लिया है और इसके साथ ही कुछ और शर्तें जोड़ने का अनुरोध भी किया है। अराघची ने कहा कि ईरान के सात-दिवसीय प्रस्ताव को अमेरिका मानने के लिए तैयार हो गया है, लेकिन उसने इसमें कुछ और शर्तें जोड़ने का अनुरोध किया है। अल-एखबरिया टेलीविजन नेटवर्क को दिए एक इंटरव्यू के हवाले से एजेंसी ने इसकी जानकारी दी। अराघची ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के बीच राजनयिक बातचीत अभी भी जारी है।

उन्होंने कहा, हमने पहले अमेरिकी पक्ष के सामने सात-दिवसीय योजना प्रस्ताव रखा था, जिसमें हमने अपनी शर्तें स्पष्ट रूप से बता दी थीं।

ऑस्ट्रेलियाई सांसद ने दूसरा पैर भी गंवाया : आरोपी को जमानत नहीं, राजनीतिक माहौल पर पुलिस ने जताई चिंता

मेलबर्न , ऑस्ट्रेलिया की निर्दलीय सांसद हेलेन हेन्स की जान बचाने के लिए उनका दूसरा पैर भी काटना पड़ा। हेन्स के पति फिल ने इसकी जानकारी दी। वहीं पुलिस ने देश में बदलते राजनीतिक माहौल को लेकर फिक्र जाहिर की है। उनके पति ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में उनका हेल्थ अपडेट दिया। हेलेन के दूसरे पैर को काटना पड़ा, लेकिन अच्छी खबर यह है कि वह जीवित और स्थिर हैं। उन्होंने आगे कहा, सोमवार को जो हुआ वह एक भयानक घटना थी, और इसके कारण हेलेन को गंभीर चोट आई। इसके परिणामस्वरूप, सोमवार को हेलेन का बायां पैर काटना पड़ा। हमें उम्मीद थी कि उसका दायां पैर बच जाएगा, लेकिन फिर आज (बुधवार) सर्जनों को उनका दायां पैर भी हटाना पड़ा।

फिल ने कहा कि उनके परिवार के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वह जीवित है और उसकी हालत स्थिर है। द सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, हमले के आरोपी ब्रेंडन न्यूजन को अदालत से जमानत नहीं मिली।

दलेर मेहंदी के समर्थन में उतरे अनुपम खेर, उत्तराखंड के मंत्री के बर्ताव पर जताई आपत्ति

(जीएनएस)।

मुंबई, दिग्गज गायक दलेर मेहंदी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें उत्तराखंड के मंत्री सुबोध उनियाल मंच पर उनसे बहस करते नजर आ रहे हैं। इस घटना के सामने आने के बाद अभिनेता अनुपम खेर ने दलेर मेहंदी के समर्थन में आवाज उठाई। अनुपम खेर ने मंत्री के बर्ताव पर आपत्ति जताते हुए कहा कि अगर मंत्री जी को गायक के गानों या परफॉर्मेंस से कोई परेशानी भी थी, तो उन्हें सार्वजनिक मंच पर इस तरह अपमानजनक लहजे में बात नहीं करनी चाहिए थी। अभिनेता अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह दलेर मेहंदी को पिछले 20-30 सालों से जानते आ रहे हैं। उन्होंने गायक के स्वास्थ्य को लेकर चिंता जताई, उनकी प्रोफेशनलिज्म का बचाव किया और मनोरंजन जगत के लोगों से उनके सार्वजनिक अपमान के खिलाफ आवाज उठाने की अपील की। अभिनेता ने कहा, मैं वहां मौजूद नहीं

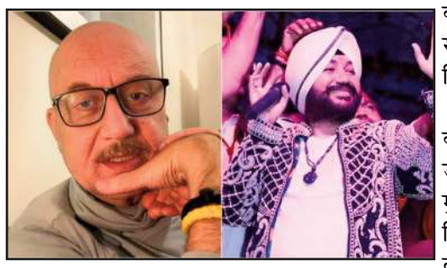

था, इसलिए मुझे ठीक-ठीक नहीं पता कि क्या हुआ लेकिन मैं दलेर मेहंदी को पिछले 20-30 सालों से जानता हूं और मैं कह सकता हूं कि जहां तक मुझे पता है, वह शराब नहीं पीते। वह सबसे बेहतरीन इंसानों में से एक हैं, जिनसे मैं मिला हूं। हो सकता है कि उस समय उनकी तबीयत ठीक न हो। मुझे निजी तौर पर पता है कि दलेर पिछले दो-तीन साल से ठीक नहीं हैं। हो सकता है कि उनका कमिटमेंट आयोजकों के साथ रहा हो और वह मना न कर पाए हों। यह उनकी प्रोफेशनलिज्म है कि वह अपने कमिटमेंट पर टिके रहे और हो सकता है कि उसी के चलते वह लिप-सिंक कर रहे हों।

मंच पर गायक से बात करने के तरीके पर सवाल उठाते हुए अनुपम खेर ने कहा, मुझे बस इस बात का बुरा लगा कि किसी को भी किसी से इस तरह बात नहीं करनी चाहिए, खासकर खुले मंच पर। इस तरह सार्वजनिक रूप से किसी को बदनाम करना गलत है।

अभिनेता ने कहा कि मनोरंजन जगत के लोगों को दलेर मेहंदी के साथ हुए बर्ताव पर बात करनी चाहिए। उन्होंने कहा, दलेर जी मुझे बहुत हुख है और मुझे लगता है कि हमारी इंडस्ट्री के लोगों को इस पर बात करनी चाहिए।

बच्ची को जबरन चूमना प्यार जताना नहीं, 50 साल के शख्स को कोर्ट ने सुनाई 5 साल कैद की सजा

(जीएनएस)।

मुंबई, मुंबई की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने 4 साल की मासूम बच्ची के साथ गंभीर यौन उत्पीड़न के मामले में कड़ा फैसला सुनाते हुए 50 वर्षीय व्यक्ति को 5 साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी की उस दलील को सिरे से खारिज कर दिया जिसमें उसने दावा किया था कि वह केवल बच्ची पर प्यार जता रहा था। फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट की विशेष जज ऋचा डी. खेडेकर ने मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी पर 10,000 रुपये का जुमार्ना भी लगाया है, जिसे अदा न करने पर उसे दो महीने की अतिरिक्त साधारण जेल काटनी होगी। साथ ही अदालत ने बच्ची को 5,000 रुपये का मुआवजा देने का निर्देश दिया है।

अदालत ने अपने फैसले में बेहद सख्त टिप्पणी करते हुए स्पष्ट किया कि किसी मासूम को उसकी मर्जी के बिना जकड़ना और जबरन किस करना कतई प्यार जताना नहीं हो सकता। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष 12 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ

गंभीर यौन उत्पीड़न का आरोप साबित करने में पूरी तरह सफल रहा है। जज ने रेखांकित किया कि 4 साल की मासूम के साथ इस प्रकार की घिनौनी हरकत पर शुरूआती स्तर पर ही सख्त सजा मिलना आवश्यक है, ताकि भविष्य में होने वाले बड़े और गंभीर अपराधों पर लगाम लगाई जा सके। कोर्ट ने कहा कि यह फैसला समाज में एक कड़ा संदेश देगा ताकि कोई भी व्यक्ति नाबालिगों के खिलाफ ऐसी गंदी हरकत करने की जुर्रत न करे।

अदालत ने सुनवाई के दौरान बच्ची के बयानों को पूरी तरह विश्वसनीय और सच्चा माना। जिरह के दौरान बच्ची ने बताया था कि उसके परिचित या रिश्तेदार उसे कभी-कभी गोद में उठाते हैं, हवा में उछालते हैं या प्यार से चूमकर मां को सौंप देते हैं। इस पर कोर्ट ने गौर किया कि परिचितों का स्नेह एक अलग बात है, लेकिन आरोपी पूरी तरह अजनबी था और उसने जो किया वह अपराध की श्रेणी में आता है। हालांकि, अदालत ने आरोपी की उम्र और उसका कोई पुराना आपराधिक रिकॉर्ड न होने को देखते हुए उसे सुधरने का एक मौका देते हुए पांच साल की सजा मुकर्रर की।

पाकिस्तान : पंजाब में हाईवे पर यात्री बस पलटने से 10 की मौत, 44 घायल

लाहौर, पाकिस्तान में बुधवार को सड़क हादसे में 10 की मौत हो गई जबकि 44 लोग घायल हो गए। स्थानीय मीडिया ने पुलिस और रेस्क्यू प्रोवाइडर के हवाले से इसकी जानकारी दी। डॉन ने पाकिस्तान की एक प्रमुख आपातकालीन सेवा रेस्क्यू 1122 के हवाले से बताया, राजनपुर जिले की रोजहान तहसील में सिंधु हाईवे पर एक यात्री बस सड़क के डिवाइडर से टकराकर पलट गई, जिसमें 10 लोगों की मौत हो गई और 44 अन्य घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 5:45 बजे बांग्ला हिदायत इलाके में हुआ। बताया जा रहा है कि बस की गति तेज थी और वो अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गई। जियो न्यूज ने बताया कि बस कराची से डेरा गाजी खान जा रही थी।

पाक विदेश मंत्री के सामने गरजे राजनाथ सिंह, कहा- आतंकवादियों को पनाह देने वालों के लिए दुनिया में कोई जगह नहीं

(जीएनएस)।

दुशांबे, ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में आयोजित शंघाई सहयोग संगठन के शासनाध्यक्षों की परिषद की बैठक में भारत ने आतंकवाद के मुद्दे पर बेहद सख्त रुख अपनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान का सीधा नाम लिए बिना अंतरराष्ट्रीय मंच पर उसकी पोल खोलकर रख दी। खास बात यह रही कि जिस समय रक्षा मंत्री आतंक की पनाहगाहों को नेस्तनाबूद करने की बात कर रहे थे, उस वक्त पाकिस्तान के विदेश मंत्री और उप-प्रधानमंत्री इशाक डार ठीक उनके सामने टेबल पर बैठे हुए थे।

आतंकवाद को ठहराया विकास का सबसे बड़ा दुश्मन

बैठक को संबोधित करते हुए रक्षा मंत्री ने आतंकवाद को वैश्विक विकास और शांति के लिए सबसे

गंभीर खतरों में से एक करार दिया। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आतंक केवल निर्दोष नागरिकों की जान ही नहीं लेता, बल्कि देशों के निवेश, अर्थव्यवस्था और व्यापार तंत्र को भी तहस-नहस कर देता है। राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद पूरे समाज को कट्टरता की ओर धकेलता है और युवाओं को उनके सुनहरे भविष्य और अवसरों से महरूम कर देता है।

दोहरे मापदंड बंद हों, आतंकियों को पनाह देने वालों के लिए कोई जगह नहीं

रक्षा मंत्री ने दुनिया के सामने यह बात मजबूती से रखी कि आतंकवाद का कोई भी औचित्य नहीं हो सकता और इससे निपटने में किसी भी तरह के दोहरे मापदंड नहीं अपनाए जाने चाहिए। उन्होंने साफ संदेश देते हुए कहा कि जो लोग या मुल्क आतंकवादियों को फंडिंग मुहैया कराते हैं, उन्हें समर्थन देते हैं या अपनी जमीन पर महफूज पनाहगाह देते हैं, उनके लिए इस दुनिया में कोई जगह नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पूरे आतंकी इकोसिस्टम को सामूहिक और निर्णायक रूप से ध्वस्त करने का पुरजोर आह्वान किया।

नवसर्जन संस्कृति हिन्दी

JioTV CHENNAL NO. 2063

Jio Air Fiber
Jio Tv +
Jio Fiber
Daily Hunt
ebaba Tv
Dish Plus
DTH live OTT
Rock TV
Airtel
Amezone Fire
Rocu Tv-US.UK

देश-दुनिया के नवीनतम समाचार
प्राप्त करने के लिए आज ही
नवसर्जन संस्कृति हिंदी चेनल देखिये

चार औद्योगिक इकाइयों को 56.26 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन की मंजूरी

(जीएनएस)।

लखनऊ, प्रदेश के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने और उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार ने चार औद्योगिक इकाइयों को 56.26 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन देने के प्रस्तावों को मंजूरी दी है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में आयोजित एम्पावर्ड कमेटी की 12वीं बैठक में ये स्वीकृतियां प्रदान की गईं। बैठक में कोविड-19 के परिप्रेक्ष्य में लागू त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति-2020 के तहत मध्यांचल, पूर्वांचल और बुंदेलखंड क्षेत्रों में स्थापित मेगा श्रेणी के औद्योगिक उपक्रमों को विशेष सुविधाएं और रियायतें देने से संबंधित प्रस्तावों पर विचार किया गया।बैठक में स्वीकृत प्रस्तावों के अनुसार, हमीरपुर स्थित जेके सीमेंट लिमिटेड को एक जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक की एक तिमाही के लिए 10.11 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसी तरह बाराबंकी स्थित ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड को एक जुलाई 2025 से 31 मार्च 2026 तक की तीन तिमाहियों के लिए 12.77 करोड़ रुपये

की स्वीकृति दी गई है।अमेठी स्थित कनोडिया सीमेंट प्राइवेट लिमिटेड को एक अक्टूबर 2025 से 31 मार्च 2026 तक की दो तिमाहियों के लिए 7.41 करोड़ रुपये का वित्तीय प्रोत्साहन देने के प्रस्ताव को मंजूरी मिली। वहीं, गोरखपुर स्थित अंकुर उद्योग लिमिटेड को एक अक्टूबर 2025 से 30 जून 2026 तक की तीन तिमाहियों के लिए 25.97 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन वितरण की स्वीकृति प्रदान की गई। चारों औद्योगिक इकाइयों के लिए स्वीकृत प्रोत्साहन की कुल राशि 56.26 करोड़ रुपये है।राज्य सरकार की त्वरित निवेश प्रोत्साहन नीति-2020 का उद्देश्य प्रदेश के आर्थिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में औद्योगिक गतिविधियों को गति देना और बड़े निवेश को प्रोत्साहित करना है। इस नीति के तहत पात्र औद्योगिक इकाइयों को वित्तीय प्रोत्साहन और विशेष रियायतें उपलब्ध कराई जाती हैं। सरकार की इस पहल से संबंधित क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहन मिलने और आर्थिक गतिविधियों को विस्तार देने की उम्मीद है।बैठक में प्रमुख सचिव राज्य कर कामिनी रतन चौहान, प्रमुख सचिव नियोजन आलोक कुमार, इन्वेस्ट यूपी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विजय किरण आनंद, सचिव नियोजन डॉ. राज शेखर, विशेष सचिव न्याय मनमीत सूरी, विशेष सचिव एमएसएमई शिशिर तथा पिकप के प्रबंध निदेशक चंद्र विजय सिंह सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए योगी आदित्यनाथ ने रुकवाई विजयादशमी शोभायात्रा, मानवीय संवेदनशीलता की पेश की मिसाल

(जीएनएस)।

गोरखपुर,लखनऊ । गोरखनाथ मंदिर से विजयादशमी के अवसर पर निकली पारंपरिक शोभायात्रा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया। मंदिर के मुख्य द्वार के आगे श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के बीच एक मरीज को लेकर जा रही एंबुलेंस फंसने लगी तो मुख्यमंत्री ने तत्काल शोभायात्रा रुकवाकर उसे रास्ता देने का निर्देश दिया। उनके निर्देश पर सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस के निकलने के लिए रास्ता खाली कराया। एंबुलेंस के सुरक्षित आगे बढ़ जाने के बाद ही शोभायात्रा दोबारा अपने निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़ी।मंगलवार शाम गोरक्षपीठाधीश्वर के रूप में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में गोरखनाथ मंदिर से पारंपरिक विजयादशमी शोभायात्रा निकाली जा रही थी। इस दौरान मंदिर के मुख्य द्वार के आसपास बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे और सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। इसी बीच

गंभीर मरीज को लेकर पहुंची एंबुलेंस भीड़ के कारण आगे बढ़ने में परेशानी का सामना करने लगी। एंबुलेंस का सायरन सुनते ही मुख्यमंत्री ने स्थिति को समझा और अपने सुरक्षाकर्मियों को तत्काल उसके लिए रास्ता बनाने का निर्देश दिया।मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद सुरक्षा कर्मियों ने शोभायात्रा को रोककर एंबुलेंस के निकलने की व्यवस्था की। मौके पर मौजूद श्रद्धालुओं और अन्य लोगों ने भी सहयोग करते हुए रास्ता खाली कराया। भारी भीड़ के बावजूद एंबुलेंस को आगे निकलने का रास्ता मिल गया। इसके बाद शोभायात्रा फिर से आगे बढ़ी। इस घटनाक्रम के जरिए यह संदेश सामने आया कि बड़े धार्मिक आयोजनों और परंपराओं के बीच भी आपात स्थिति में मरीज को अस्पताल पहुंचाने के लिए रास्ता उपलब्ध कराना प्राथमिकता होनी चाहिए।इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। वीडियो सामने आने के बाद लोग मुख्यमंत्री के इस कदम पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। कई लोगों ने इसे मानवीय संवेदनशीलता और आपात स्थिति में त्वरित निर्णय का उदाहरण बताया। शोभायात्रा के दौरान एंबुलेंस को रास्ता देने के लिए कार्यक्रम रोकने की इस पहल ने धार्मिक आयोजन के बीच मानव जीवन की प्राथमिकता को रेखांकित किया।

नैमिषारण्य के 84 कोसी परिक्रमा पथ पर हर कोस में रोपी जाएगी हरिशंकरी, 24 से 29 अक्टूबर तक चलेगा अभियान

(जीएनएस)।

लखनऊ, उत्तर प्रदेश के चार प्रमुख धार्मिक परिक्रमा पथों अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट को हरिशंकरी के पौधों से जोड़ने के उद्देश्य से लोक भारती की ओर से विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत परिक्रमा पथों के प्रत्येक कोस पर पीपल, बरगद और पाकड़ के पौधे एक ही थाले में रोपित कर हरिशंकरी की माला विकसित करने की योजना है। अभियान के प्रथम चरण में 24 से 29 अक्टूबर तक नैमिषारण्य के 84 कोसी परिक्रमा पथ पर पौधरोपण यात्रा निकाली जाएगी। इस दौरान प्रत्येक कोस का नामकरण प्रतिनिधि ऋषि के नाम पर किया जाएगा और वहां संतों तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में हरिशंकरी का रोपण होगा।लोक भारती के अवध क्षेत्र अध्यक्ष एवं यात्रा प्रभारी पवन सिंह चौहान ने बताया कि अभियान का उद्देश्य धार्मिक आस्था के केंद्रों को पर्यावरण संरक्षण से जोड़ना और परिक्रमा मार्ग पर स्थायी पड़ाव विकसित करना है। प्रत्येक कोस पर रोपी जाने वाली हरिशंकरी को भविष्य में कोस पड़ाव के रूप में स्थापित किया जाएगा। इससे परिक्रमा करने वाले श्रद्धालुओं को विश्राम के लिए स्थान उपलब्ध कराने के साथ ही धार्मिक और सांस्कृतिक परंपराओं को भी बढ़ावा मिलेगा।लोक भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि प्रत्येक कोस पड़ाव पर शासन से प्रकाश, पेयजल, प्रसाधन और बैठने की व्यवस्था कराने की मांग की जाएगी। पौधरोपण कार्यक्रम

में समाज के सभी वर्गों को आमंत्रित किया जाएगा। संतों, जनप्रतिनिधियों और शासन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में यज्ञ, स्वस्तिवाचन, मंत्रोच्चार और परिक्रमा जैसे धार्मिक अनुष्ठानों के साथ पौधे रोपे जाएंगे। अभियान को जनभागीदारी से उत्सव का स्वरूप देने की योजना है, ताकि पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़े और लगाए गए पौधों की देखभाल में भी समाज की भागीदारी सुनिश्चित हो सके।लोक भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव गोपाल उपाध्याय ने बताया कि यात्रा का शुभारंभ 24 अक्टूबर को सुबह नौ बजे नैमिषारण्य स्थित चक्रतीर्थ पर हरिशंकरी रोपित करके किया जाएगा। इसके बाद यात्रा परिक्रमा मार्ग पर आगे बढ़ते हुए प्रत्येक कोस पर पौधरोपण करेगी और 29 अक्टूबर को अभियान का समापन होगा। यात्रा के दौरान विभिन्न स्थानों पर जनसभाओं और उत्सवों का आयोजन भी किया जाएगा। इनमें प्रदेश सरकार के मंत्रियों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और संतों को आमंत्रित किया गया है।लोक भारती इससे पहले मथुरा के गोवर्धन परिक्रमा पथ और चित्रकूट के कामदगिरि परिक्रमा पथ पर भी हरिशंकरी का रोपण कर चुका है। अब नैमिषारण्य में अभियान के विस्तार के माध्यम से धार्मिक स्थलों पर हरित क्षेत्र विकसित करने की दिशा में काम किया जाएगा।लोक भारती के अवध प्रांत संयोजक कमलेश सिंह ने यात्रा मार्ग की जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा 24 अक्टूबर को चक्रतीर्थ, नैमिषारण्य से प्रारंभ होकर कोरौना द्वारिकाधीश, हरैया, नगवों, कोथावां, गिरधरपुर उमरारी, साक्षी गोपालपुर, देवगवां, मंडरुआ, जरिगवां और नैमिषारण्य होते हुए बरेठी पहुंचेगी। इसके बाद मिश्रिख में यात्रा का समापन होगा।इस संबंध में आयोजित वार्ता में पवन सिंह चौहान, बृजेन्द्र पाल सिंह, गोपाल उपाध्याय, सौरभ सिंह, कमलेश सिंह और कौशल चंद्रवंशी सहित लोक भारती के अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बिजनौर पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करते युवक को पकड़ा, चोरी की बाइक बरामद

(जीएनएस)।

लखनऊ, राजधानी के बिजनौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले में एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि युवक एक पेट्रोल पंप के पास से मोटरसाइकिल चोरी करने का प्रयास कर रहा था। इसी दौरान वाहन स्वामी और पुलिस की मदद से उसे पकड़ लिया गया। पुलिस ने उसके कब्जे से चोरी की गई हीरो होंडा सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल बरामद की है। आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

पुलिस के मुताबिक, 21 अक्टूबर 2026 को वादी रपुन्जय यादव निवासी ग्राम हरदत्तपुर, पोस्ट बाँसडीह, जनपद बलिया, वर्तमान निवासी रामजानकी सर्विस स्टेशन (पवन पेट्रोलियम), बहादुरखेड़ा, बिजनौर, लखनऊ की मोटरसाइकिल चोरी करने का प्रयास किया जा रहा था। इस दौरान वाहन स्वामी और पुलिस के सहयोग से आरोपी को मौके पर पकड़ लिया गया। मामले में प्राप्त तहरीर के आधार पर बिजनौर थाने में मुकदमा संख्या 0290/26, भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(ए) और 317(2) के तहत दर्ज किया गया।गिरफ्तार आरोपी की पहचान रामबाबू (28) पुत्र जितेन्द्र कुमार उर्फ सुरेश निवासी राधाकृष्ण खेड़ा, थाना मोहनलालगंज, लखनऊ के रूप में हुई है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह कभी-कभी नशा करता है और नशे के लिए पैसे नहीं होने के कारण उसने मोटरसाइकिल चोरी करने की गलती की। उसने आगे ऐसी गलती नहीं करने की बात कही।पुलिस ने बरामद मोटरसाइकिल को कब्जे में लेकर मामले में आवश्यक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई पुलिस आयुक्त तरुण गाबा और संयुक्त पुलिस आयुक्त अपराध एवं मुख्यालय अपर्णा कुमार के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत की गई। पुलिस उपायुक्त दक्षिणी मो. मुश्ताक के निर्देशन, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिणी रल्लापल्ली वसंथ कुमार के पर्यवेक्षण तथा सहायक पुलिस आयुक्त कृष्णानगर लक्ष्मण वर्मा के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक बिजनौर कपिल गौतम के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

दीपावली पर गोबर के दीये और लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां बनाएंगी प्रदेश की गौशालाएं, रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे

(जीएनएस)।

लखनऊ, दीपावली के पर्व पर पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने और गौशालाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने नई पहल की है। पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने प्रदेश के सभी जनपदों की गौशालाओं में गोबर से बने दीये, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां और अन्य पर्यावरण अनुकूल पूजन सामग्री तैयार कराने के निर्देश दिए हैं। इस पहल के माध्यम से गौशालाओं की आय बढ़ाने के साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का प्रयास किया जाएगा।धर्मपाल सिंह ने बुधवार को विधान भवन स्थित कक्ष संख्या 80 में गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने के संबंध में अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गोबर जैसे स्थानीय संसाधन का सदुपयोग कर उपयोगी उत्पाद तैयार किए जा सकते हैं। इससे गौशालाओं को आय का अतिरिक्त स्रोत मिलेगा और पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों के प्रति लोगों में जागरूकता भी बढ़ेगी। दीपावली जैसे प्रमुख त्योहार पर गोबर से बने दीयों और पूजन सामग्री को प्रोत्साहित करने से प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।मंत्री ने कहा कि गौशालाओं में गोबर आधारित उत्पादों के निर्माण में स्थानीय कारीगरों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर विकसित होंगे और महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने उत्पादों की गुणवत्ता और आकर्षक डिजाइन पर ध्यान देने के साथ उनकी बाजार में उपलब्धता बढ़ाने के निर्देश भी दिए। स्थानीय मेलों और अन्य आयोजनों में इन उत्पादों की बिक्री के लिए विशेष स्टॉल लगाए जाने पर जोर दिया गया, ताकि अधिक से अधिक लोग इन्हें खरीद सकें।धर्मपाल सिंह ने कहा कि गोबर और मिट्टी से बने दीये तथा मूर्तियां भारतीय परंपरा से जुड़ने के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का संदेश भी देते हैं। स्थानीय स्तर पर निर्मित इन उत्पादों को अपनाने से ग्रामीण उत्पादकों को प्रोत्साहन मिलेगा। गोबर से उपयोगी वस्तुएं तैयार करने की प्रक्रिया से उसके मूल्य में वृद्धि होगी और स्वरोजगार को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा गोबर से जैविक खाद और अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार करके भी गौशालाओं की आर्थिक गतिविधियों का विस्तार किया जा सकता है।उन्होंने कहा कि गौशालाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने से गोवंश के संरक्षण, बेहतर देखभाल और उपलब्ध सुविधाओं में सुधार करने में मदद मिलेगी। दीपावली के अवसर पर गोबर आधारित उत्पादों के निर्माण और उपयोग को प्रोत्साहित करके पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने जैसे उद्देश्यों को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मुकेश कुमार मेश्राम ने भी विभागीय अधिकारियों को प्रदेश के सभी जनपदों की गौशालाओं में गोबर और मिट्टी से बने दीये, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां तथा अन्य उपयोगी उत्पाद तैयार कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने गौशालाओं में उपलब्ध गोबर का बेहतर उपयोग करने, स्थानीय कारीगरों, महिलाओं और स्वयं सहायता समूहों को इस पहल से जोड़ने तथा तैयार उत्पादों के प्रचार-प्रसार और विपणन की व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने को कहा। इस पहल के जरिए गौशालाओं की आय बढ़ाने के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार की संभावनाओं को विस्तार देने का लक्ष्य रखा गया है।

एशियन पैरा गेम्स में यूपी के खिलाड़ियों ने बढ़ाया देश का गौरव, प्रवीण और आयुष ने जीता स्वर्ण

लखनऊ, एशियन पैरा गेम्स-2026 में उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है। पुरुषों की ऊंची कूद टी-64 स्पर्धा में प्रवीण कुमार ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि पुरुषों की गोला फेंक एफ-53 स्पर्धा में आयुष वर्मा ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, पुरुषों की 100 मीटर टी-35 स्पर्धा में अनुभव चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खिलाड़ियों की इन उपलब्धियों पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं

दी हैं।उप मुख्यमंत्री ने पदक विजेता खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि उनकी उपलब्धियां प्रतिभा, अथक परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प का परिणाम हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर इन खिलाड़ियों ने उत्तर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता प्रदेश के युवाओं और खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की तैयारी कर रहे खिलाड़ियों के लिए प्रेरणादायक है।केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि खिलाड़ियों की उपलब्धियां साबित करती हैं कि दृढ़ इच्छाशक्ति, निरंतर अभ्यास और समर्पण के बल पर कठिन से कठिन चुनौती का सामना किया जा सकता है। खेल के प्रति प्रतिबद्धता और लक्ष्य हासिल करने का संकल्प ही खिलाड़ियों को सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि इन खिलाड़ियों की उपलब्धियां अन्य खिलाड़ियों को भी बेहतर प्रदर्शन करने और देश-प्रदेश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित करेंगी। उप मुख्यमंत्री ने उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए आशा जताई कि वे आगामी प्रतियोगिताओं में भी शानदार प्रदर्शन कर नई उपलब्धियां हासिल करेंगे।

स्नातक मतदाता सूची में डुप्लीकेट नामों का आरोप, सपा ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी से की जांच की मांग

लखनऊ, समाजवादी पार्टी ने इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र समेत लखनऊ और झांसी के कई विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों में बड़ी संख्या में डुप्लीकेट नाम दर्ज होने का आरोप लगाया है। पार्टी ने इस संबंध में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश को ज्ञापन सौंपकर कथित अनियमितताओं की जांच कराने और एक ही मतदाता के नाम से दर्ज अतिरिक्त प्रविष्टियों को हटाने की मांग की है। सपा का कहना है कि समय रहते मतदाता सूची की विसंगतियां दूर नहीं की गईं तो मतदान के दौरान मतदाताओं को परेशानी हो सकती है और चुनाव प्रक्रिया भी प्रभावित हो सकती है।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को संबोधित ज्ञापन में कहा है कि इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के अधिकांश बूथों की मतदाता सूचियों में एक ही व्यक्ति के नाम एक से अधिक बार दर्ज होने के मामले सामने आए हैं। पार्टी की ओर से की गई पड़ताल में लखनऊ के बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र तथा झांसी जिले के गरौठा, बबीना और मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्रों में भी ऐसी कथित गड़बड़ियां मिलने का दावा किया गया है।ज्ञापन में इलाहाबाद-झांसी खंड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के कई उदाहरण दिए गए हैं। पार्टी के मुताबिक, बूथ संख्या 247 पर सुधीर कुमार पटेल का नाम क्रम संख्या 192 और 193 पर दर्ज है। इसी तरह बूथ संख्या 251 पर रेखा पुनीत, बूथ संख्या 260 पर अनूप सिंह पटेल, बूथ संख्या 267 पर प्रिया गुप्ता और बूथ संख्या 272 पर कुलदीप कुमार के नाम दो-दो बार दर्ज होने का दावा किया गया है। सपा ने इन प्रविष्टियों को मतदाता सूची की जांच में सामने आई कथित विसंगतियों का उदाहरण बताया है।लखनऊ के 169-बख्शी का तालाब विधानसभा क्षेत्र के संबंध में पार्टी ने आरोप लगाया कि बूथ संख्या 483 पर फूलमती का नाम चार बार दर्ज है और प्रत्येक प्रविष्टि में अलग-अलग मतदाता पहचान संख्या अंकित है। बूथ संख्या 484 पर मृदुल मेहता, आशीष खरे, श्रद्धा श्रीवास्तव और आशीष के नामों की दो-दो प्रविष्टियां होने का भी दावा किया गया है।झांसी जिले के गरौठा विधानसभा क्षेत्र में बूथ संख्या 65 पर ऊषा पत्नी दीपू पाल का नाम पांच बार और बूथ संख्या 67 पर राहुल पुत्र कुंदन का नाम लगातार पांच बार दर्ज होने की बात ज्ञापन में कही गई है। वहीं, बबीना विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 45 पर प्रियंका अग्रवाल, बूथ संख्या 48 पर राजू और बूथ संख्या 49 पर वेनी देवी के नाम दो-दो बार दर्ज होने का दावा किया गया है। मऊरानीपुर विधानसभा क्षेत्र के बूथ संख्या 5 पर निधि पाण्डेय का नाम तीन बार और बूथ संख्या 9 पर भानु प्रताप का नाम दो बार दर्ज होने का उल्लेख भी किया गया है।

समाजवादी पार्टी ने निर्वाचन अधिकारी से मांग की है कि संबंधित विधानसभा क्षेत्रों और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूचियों में दर्ज दोहरी प्रविष्टियों की विस्तृत जांच कराई जाए।

दूसरे राज्यों से आने वाले रक्त की भी होगी गुणवत्ता जांच, 55 रक्त केंद्रों के लाइसेंस निलंबित

(जीएनएस)।

लखनऊ, मरीजों को सुरक्षित रक्त उपलब्ध कराने और रक्त के जरिए हेपेटाइटिस-बी, हेपेटाइटिस-सी तथा एचआईवी जैसे गंभीर संक्रमण फैलने की आशंका को कम करने के लिए उत्तर प्रदेश में रक्त केंद्रों की निगरानी व्यवस्था सख्त की जा रही है। उत्तर प्रदेश खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (यूपीएफएसडीए) ने दूसरे राज्यों से बड़ी मात्रा में मंगाए जाने वाले रक्त और उसके अवयवों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्राप्तकर्ता केंद्र पर भी जांच कराने का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत प्रत्येक खेप की कम से कम एक प्रतिशत रक्त यूनिट अथवा प्रति खेप न्यूनतम एक यूनिट, जो भी अधिक हो, की जांच कराने की सिफारिश राष्ट्रीय रक्त आधान परिषद (एनबीटीसी) से की गई है। जांच स्थानीय औषधि निरीक्षक की मौजूदगी में राजकीय रक्त केंद्र में कराने का प्रस्ताव है।आयुक्त एफएसडीए डॉ. रोशन जैकब की ओर से भेजे गए प्रस्ताव का उद्देश्य दूसरे राज्यों से आने वाले रक्त की गुणवत्ता की स्वतंत्र पुष्टि करना और संक्रमित या निर्धारित मानकों पर खरा नहीं उतरने वाली यूनिटों के मरीजों तक पहुंचने की आशंका को कम करना है। रक्तदाता से रक्त संग्रह, संक्रमण जांच, सुरक्षित भंडारण, परिवहन और मरीज को रक्त चढ़ाने तक प्रत्येक स्तर पर निर्धारित मानकों का पालन जरूरी है। इसी क्रम में रक्त की आपूर्ति से जुड़े दस्तावेजों, परिवहन के दौरान तापमान और गुणवत्ता जांच की व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है।यूपीएफएसडीए के निर्देश पर मार्च 2026 में धर्मार्थ न्यासों द्वारा संचालित 208 रक्त केंद्रों का निरीक्षण किया गया था। जांच के दौरान 55 केंद्रों के लाइसेंस निलंबित किए गए। निरीक्षण में संक्रमण जांच, तापमान नियंत्रित भंडारण के अभिलेख, तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता, स्वच्छता और रिकॉर्ड संधारण में गंभीर अनियमितताएं सामने आईं। विशेष रूप से दूसरे राज्यों से पैक्ड रेड ब्लड सेल्स (पीआरबीसी) की बड़ी खेप मंगाने के दौरान आवश्यक दस्तावेजों और गुणवत्ता सत्यापन से संबंधित कमियां पाई गईं। इसके बाद रक्त की आपूर्ति और जांच प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए कदम उठाए गए।निरीक्षण में कुछ रक्त केंद्रों पर बड़ी मात्रा में रक्त मंगाने का लिखित औचित्य, रक्ताधान से फैलने वाले संक्रमणों (टीटीआई) की जांच रिपोर्ट, रक्तदाताओं के प्रपत्र और परिवहन के दौरान निर्धारित तापमान बनाए रखने के रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं मिले। दूसरे राज्यों में स्थित आपूर्तिकर्ता केंद्रों के लाइसेंस और वहां रक्त संग्रह तथा जांच के नियमों के पालन की पुष्टि करना भी चुनौतीपूर्ण पाया गया। रक्त की खेप के पैकेट पर स्पष्ट पहचान संबंधी जानकारी नहीं होने से उसकी आपूर्ति के स्रोत का पता लगाने में भी परेशानी होती है।कई मामलों में प्राप्तकर्ता केंद्रों के पास रक्त की जांच रिपोर्ट और तापमान नियंत्रित परिवहन के प्रमाण उपलब्ध नहीं थे। इससे यह सत्यापित करना मुश्किल हो जाता है कि रक्त भेजने वाले केंद्र ने निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार रक्त एकत्र किया, उसकी जांच की और परिवहन के दौरान उचित तापमान बनाए रखा या नहीं। इसके अलावा, बल्क ट्रांसफर की पूर्व सूचना नहीं मिलने से औषधि निरीक्षक प्राप्तकर्ता केंद्र की वास्तविक जरूरत, भंडारण क्षमता और तापमान नियंत्रण की व्यवस्था की समय पर जांच नहीं कर पाते।एनबीटीसी के 28 अक्टूबर 2015 के दिशा-निर्देशों में रक्त की आपूर्ति करने वाले और प्राप्त करने वाले केंद्रों की जिम्मेदारियां निर्धारित हैं।

PRGI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI
Regd.Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Center, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad - 382 424 Gujarat,India. Phone : (o) 7698333307 (M) 7096333307
Email:navsarjansanskruti2016@gmail.com*navsarjansanskruti2016@yahoo.com*Website : www.navsarjansanskruti.com

सम्पादकीय

निशाने पर बॉलीवुड सितारे

बॉलीवुड को एक बार फिर लारेंस बिश्नोई गैंग ने हिलाकर रख दिया है। अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर कातिलाना हमले ने बॉलीवुड को एक बार फिर याद करा दिया कि अंडरवर्ल्ड की दहशत अभी खत्म नहीं हुई है। 2018 में लॉरेंस बिश्नोई की पहली धमकी के बाद आठ साल से वह फिल्म जगत से जुड़ी हस्तियों के लिए खौफ और दहशत का सबब बना हुआ है। अभिनेता सलमान खान को धमकी से शुरू हुआ यह सिलसिला कई अभिनेताओं, गायकों पर हमले हुए हैं, जबकि सलमान के मददगार माने जाने वाले एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या भी हो चुकी है। हर वारदात में बिश्नोई गिरोह का जुड़ाव होने से बॉलीवुड सितारे खौफजदा बताए जा रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर रविवार शाम करीब 7.30 बजे मुंबई में जानलेवा हमला हुआ। जुहू पुलिस स्टेशन से महज 350 मीटर दूर तीन बदमाशों ने उनकी कार पर 5 गोलियां चलाईं। शुक्र है कि गोलियां कार के ग्लास पर लगीं इसलिए टाइगर श्रॉफ बाल-बाल बच गए। हालांकि उनके ड्राइवर फिरदौस के बाएं हाथ में चोट आई। जबकि पास ही वीडियो बना रहे एक फैन योगेश चव्हाण घायल हो गए। पुलिस की 15 टीमों ने हमलावरों की तलाश कर ली है। इस मामले में एक अपडेट सामने आया है। राजस्थान पुलिस की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स और कोटा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 19 अक्टूबर को 3 आरोपियों को कोटा रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया है। शुरूआती जानकारी के मुताबिक तीनों आरोपी मुंबई से दिल्ली जा रही ट्रेन में सवार थे। पुलिस ने कोटा रेलवे स्टेशन पर उन्हें पकड़ लिया। जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में दो हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है। तीनों में से दो हमलावरों की पहचान बेगुसराय निवासी त्रतिक वुमार और सोनीपत के रेहान के रूप में हुई है, जबकि एक अन्य तीसरा नाबालिग आरोपी भी सोनीपत से है। बता दें कि पिछले 4 साल में लॉरेंस गैंग ने इन हमलों की जिम्मेदारी ली है। सिद्धू मूसेवाला, मई 2022, सलमान खान अप्रैल 2024, एपी ढिल्लो (गायक) सितम्बर 2024, एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी, अक्टूबर 2024 और रोहित शेट्टी (डायरेक्टर) फरवरी 2026। अभिनेता सलमान खान को धमकी से शुरू सिलसिले में जो हमले शुरू हुए वह थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। सलमान के मददगार माने जाने वाले बाबा सिद्दीकी से लेकर टाइगर श्रॉफ सभी निशाने पर रहे। बॉलीवुड से लॉरेंस बिश्नोई गिरोह की अदावत की शुरूआत 2018 में तब हुई थी, जब लॉरेंस ने जोधपुर कोर्ट में पेशी के दौरान खुले तौर पर सलमान खान को जान से मारने की धमकी दे डाली थी। बताया जाता है कि उसने तब अपने एक गुर्गे को मुंबई भेज दिया था, जो सलमान के घर की रेकी भी कर चुका था। इसके बाद सलमान के घर पर फायरिंग से लेकर सारी बॉलीवुड की हस्तियों और खासतौर पर सलमान खान से जुड़े लोगों को धमकियां देना शुरू कर दी। अप्रैल 2024 में सलमान के बांद्रा स्थित आवास गेलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर पांच राउंड फायर करवाई थी। टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के बाद विपक्ष राज्य सरकार पर हमलावर है। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि मुंबई और पूरे महाराष्ट्र में कानून व्यवस्था बिगड़ गई है। कांग्रेस नेता सचिन रावत ने कहा कि मुंबई अराजकता की चपेट में आ गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री और गृहमंत्री देवेन्द्र फडनवीस पर आरोप लगाया कि वह कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पूरी तरह विफल हो गए हैं। मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष वंषा गायकवाड ने महाराष्ट्र के लिए अलग गृहमंत्री की मांग की और इस स्थिति के लिए फडनवीस को जिम्मेदार ठहराया। एनसीपी विधायक रोहित पवार ने कहा कि मुख्यमंत्री हालात नहीं संभाल पा रहे हैं तो गृह विभाग किसी अन्य मंत्री को सौंप दें। उधर बॉलीवुड में पूरी तरह दहशत का माहौल बन गया है। सबको अब अपनी जान-माल का खतरा हो गया है। एक बार फिर मुंबई अंडरवर्ल्ड के कब्जे में न आ जाए?

पीएम गति शक्ति से यूपी में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार, 100 करोड़ से अधिक की योजनाओं की होगी एकीकृत समीक्षा

लखनऊ, उत्तर प्रदेश में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की योजना बनाने और उन्हें समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का व्यापक उपयोग किया जा रहा है। इस व्यवस्था के माध्यम से विभिन्न विभागों से संबंधित आंकड़ों और सूचनाओं को एक साझा मंच पर उपलब्ध कराकर परियोजनाओं की जरूरत, संसाधनों और संभावित बाधाओं का पहले ही आकलन किया जा रहा है। इससे निर्माण कार्यों के दौरान आने वाली अड़चनों को कम करने, विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करने और विकास परियोजनाओं को तेजी से धरातल पर उतारने में मदद मिलेगी।पीएम गति शक्ति की प्रमुख विशेषता विभिन्न विभागों से संबंधित सूचनाओं को एकीकृत करके विकास कार्यों की समग्र योजना तैयार करना है। उत्तर प्रदेश ने इस मंच पर 29 अनिवार्य डेटा लेयर को एकीकृत किया है, जबकि 56 अतिरिक्त विभागीय डेटा लेयर शुरू या एकीकृत की जा चुकी हैं। इससे किसी क्षेत्र में सड़क, बिजली, परिवहन, भूमि, सामाजिक सुविधाओं और अन्य आधारभूत जरूरतों का एक साथ आकलन करना संभव हो रहा है। इस जानकारी के आधार पर परियोजनाओं की रूपरेखा तैयार करने से संसाधनों का बेहतर उपयोग और निर्माण कार्यों में संभावित समस्याओं की समय रहते पहचान की जा सकती है।पीएम गति शक्ति के प्रभावी इस्तेमाल को लेकर हाल ही में लखनऊ स्थित इन्वेस्ट यूपी कार्यालय में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों और जिलों के 100 से अधिक अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में लोक निर्माण, ऊर्जा, उत्तर प्रदेश एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा), स्वास्थ्य, शिक्षा और कौशल विकास समेत कई विभागों के अधिकारियों ने परियोजनाओं की योजना और क्रियान्वयन में इस मंच के उपयोग पर विचार-विमर्श किया। अब इस व्यवस्था का उद्देश्य केवल परियोजनाओं की योजना तैयार करना नहीं, बल्कि उन्हें जमीन पर तेजी से उतारने और उनकी प्रगति की प्रभावी निगरानी करना भी है।प्रदेश में पूंजीगत निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के तहत 2,150 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 32 से ज्यादा बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का कार्यान्वयन किया गया है। इन परियोजनाओं में विभिन्न विभागों और कार्यदायी संस्थाओं की भागीदारी रहती है। ऐसे में साझा मंच पर उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर कार्यों का समन्वय करने से विभागीय तालमेल बेहतर बनाने और अनावश्यक देरी से बचने में मदद मिल रही है। परियोजनाओं से जुड़े विभागों को एकीकृत जानकारी उपलब्ध होने से निर्णय लेने की प्रक्रिया भी अधिक प्रभावी हो सकती है।पीएम गति शक्ति को परियोजना नियोजन का अनिवार्य हिस्सा बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को इस मंच के तहत विचार के लिए रखना आवश्यक किया गया है। प्रदेश के सभी 75 जिलों में जिला स्तरीय नियोजन व्यवस्था लागू है। इसके साथ ही 2,000 से अधिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा चुका है और परियोजनाओं की योजना तथा निगरानी के लिए 26 से अधिक एप्लिकेशन विकसित किए गए हैं। इन व्यवस्थाओं से जिला स्तर पर विकास योजनाओं की जरूरतों का आकलन करने और उनकी प्रगति पर नजर रखने के लिए तकनीकी आधार मजबूत हुआ है।प्रदेश में पीएम गति शक्ति का उपयोग विभिन्न क्षेत्रों की परियोजनाओं में भी किया जा रहा है। शिक्षा क्षेत्र में ह्यपहुंचह्ल नियोजन उपकरण, लखनऊ मेट्रो के चरण-1बी के संरेखण की योजना और अन्नपूर्णा भवन के लिए उपयुक्त भूमि की पहचान इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इन पहलों से स्पष्ट होता है कि एकीकृत आंकड़ों का इस्तेमाल केवल बड़े निर्माण कार्यों तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, शहरी परिवहन और सामाजिक सुविधाओं से जुड़ी योजनाओं में भी किया जा सकता है। इससे परियोजनाओं के लिए उपयुक्त स्थान और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर आकलन करने में मदद मिलती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में एक्सप्रेसवे, रेल संपर्क और हवाई कनेक्टिविटी के विस्तार पर जोर दिया जा रहा है। ऐसे में विभिन्न क्षेत्रों में संचालित और प्रस्तावित परियोजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना महत्वपूर्ण हो गया है। पीएम गति शक्ति के साझा मंच पर उपलब्ध जानकारी से यह आकलन करने में मदद मिलती है कि किसी नई परियोजना का आसपास के मौजूदा और प्रस्तावित बुनियादी ढांचे पर क्या प्रभाव पड़ेगा तथा उसे अन्य सुविधाओं के साथ किस तरह बेहतर तरीके से जोड़ा जा सकता है।

हिन्दुत्व के साथ हमारी युवा पीढ़ी : देश के विश्वविद्यालयों में संपन्न हुए चुनावो में एबीवीपी की जीत

(जीएनएस)।

देश के विश्वविद्यालयों में संपन्न हुए चुनावो में एबीवीपी की जीत ने विपक्ष को बता दिया की देश की युवा आबादी किस के साथ है। ज्ञान शील एकता के नारे लगाते हुए देश धर्म संस्वृति को अपने कार्यपद्धति के वेंद्र में रखकर देशभर के विश्वविद्यालय परिसरों में काम करने वाले परिषद की जीत यूथ विथ हिन्दुत्व, यूथ विथ नेशन, यूथ विथ मोदी के विचार को भी मजबूत करता है।

आज दुनिया में जहाँ नववर्ष की शुरूवात नाच-गाने और शराब और हुड़दंग से प्रारंभ होती है। वही भारत की युवा आबादी सुबहसुबह देवस्थानों में माथा टेक कर अपने नववर्ष की शुरूआत करती है। यह अलग बात है कि जनवरी का नववर्ष भारतीय नववर्ष नहीं है।

लेकिन हम हिदू है ना, हमने उसे म्यूजिकल बैंड बने है जो भगवान के गीत गाते है।

आप देखे यूट्यूब पर सबसे ज़्यादा युवाओ की सहभागिता होती हैं इसमें भत्ति गानों को सुनने में उनकी हिस्सदारी पुरानी पीढ़ी से कहीं ज़्यादा है। हम देखें कि हमारी युवा शत्ति ही आज "हनुमान अंश" को प्रसिद्ध कर देती है।

फ़्लम बॉक्स ऑफिस पर इतनी अच्छा करेगी इस मूवी के निमार्ताओ को भी यकीन नहीं था।

यह मूवी हनुमान जी के भत्त बाबा नीब करौरी महाराज जी पर बनी है। ऐसी मूवी जो वर्तमान के पॉपुलर सिनेमा से बिल्वुल अलग है।

इसी प्रकार से पिछले वर्षो में कई मूवी आईं जिसमे "छावा", रानी लक्ष्मी बाईं पर आधारित मणिर्कणिका जैसी मूवी ने भी बहुत अच्छा किया। यह युवा शत्ति ही थी जिसने इस लीक से और हिन्दुत्व विचार दृष्टि के प्रति उनकी रुचि को उभारने का अच्छा प्रयास युवराज पोखराना द्वार हुआ है।

अभी हाल ही में दिल्ली

विश्वविद्यालय छात्र संघ के संपन्न हुए चुनावों में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की एक तरफा जीत हुई। इस विजय ने यह स्पष्ट कर दिया कि देश का युवा भारत के मूल संस्वृति, अपनी विरासत और हिन्दुत्व विचार दृष्टि के साथ खड़ा है। एबीवीपी की विजय ने एक बार फिर भारत में पामि विचार दृष्टि के पोषक वामपंथी बिरादरी की बौद्धिक जमात को सोचने विचारने के लिए मजबूर अवश्य किया है।

इस छात्र संघ चुनाव में कांग्रेस समर्थित एन.एस.यु. आई. का जहाँ खाता भी नहीं खुला। वही पर वामपंथी छात्र संगठनों को इन चुनावो में नोटा से भी कम मत प्राप्त हुए। इन सबके अलावा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अध्यक्ष पद समेत सचिव और सह सचिव पदों पर जीत हासिल की।वर्ष 1948 से "छात्र शत्ति राष्ट्र शत्ति"

का नारा लगते हुए परिषद ने वामपंथी गैंग द्वारा निमित जेन-जेड और सरकार विरोधी वातवरण इस पूरे विमर्श को गलत साबित करने का काम किया। हमे यह जान लेना चाहिए कि देश भर के विश्वविद्यालयो में राष्ट्र प्रथम का विचार बड़ी प्रभावी दखल दे रहा है।

दिल्ली विश्वविद्यालय का चुनाव जंतर मंतर के कॉकरोच जनता पाटा के आंदोलन के वुछ महीनों बाद हुआ। और इसमें में छात्र संघ चुनावो में एबीवीपी की विजय हुई। इसी विश्वविद्यालय के वुलपति पर यह भी आरोप लगा कि वह विश्वविद्यालय के छात्रो को कॉकरोच आंदोलन में जाने से रोक रहे है। इस जीत से यह भी साबित हुआ कि दिल्ली विश्वविद्यालय के छात्रो को देश की वर्तमान सरकार और वर्तमान नेतृत्व पर भरपूर विश्वास है।

अभी हाल के दिनों में संपन्न पंजाब विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव में भी अध्यक्ष पद पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जीत ने यह बहुत हद तक स्पष्ट कर दिया कि जंतर मंतर में छात्र, युवाओं की सहभागिता नहीं अपितु राजनीति से प्रेरित वुछ नेताओं की सहभागिता थी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक संगठन होने के नाते भारतीय जनता पाटा और अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद को साथ में जोड़ कर ही देखा जाता है।

अगर देश भर का युवा सरकार से नाराज है तो दो बड़े विश्वविद्यालयों में एबीवीपी की जीत नहीं होनी थी। इसलिए यह जो जेन-जेड का नारा लगा के भारत में भी नेपाल जैसी स्थिति निमित करने का प्रयास कर रहे हैं वह भारत में चलने वाला नहीं है। देश के भीतर उपजाये गए जेन-जेड विमर्श को पुनः विचारने शब्द इन दिनों आम समाज में वुछ लोगों द्वारा वुछ शब्दों को भारत के साथ जोड़ने का प्रयास हो रहा है। यह वही लोग हैं जिन्होंने वर्षो से भारत के धर्म को रिलीजन के संवुचित दायरे में देखने का प्रयास किया था। धर्म और रिलीजन दोनों ही भिन्न-भिन्न अवधारणाएँ हैं।

रिलीजन एक पूजा पद्धति, किसी के शुरू करने वाले और एक ग्रंथ पर आधारित है वही धर्म जो धारण करने योग्य है वही धरम है। इस अर्थ में भारत में जाना जाता है, हमारी संस्वृति को रिलीजन के रूप में देखने की दृष्टि ने विश्व को भारत को सच्चे अर्थो में जानने से वुछ हद तक दूर किया। इसी प्रकार से भारत में युवाओं के छिटपुट वुछ असहमति की तुलना नेपाल और दुनिया के कई अन्य देशों में हुए राजनीतिक बदलाओ के साथ देखने की भूल की है। हमारे देश का युवा अंग्रेज़ी के नहीं हो सकते जिस जेंजेड की संकल्पना विदेशी विचार के मानने वालो ने करी है।

हम और हमारी युवा तरुणाईं उससे बिल्वुल भी मेल नहीं खाते।

वुछ वामपंथी भटकाओ से ग्रसित युवा समूह को पूरे भारत की तरुणाईं के रूप में देखने का मैं कतईं समर्थक नहीं हूँ और ना ही हमारा देश भी। देश के विश्वविद्यालयों में संपन्न हुए चुनावो में एबीवीपी की जीत ने विपक्ष को बता दिया की देश की युवा आबादी किस के साथ है। ज्ञान शील एकता के नारे लगाते हुए देश धर्म संस्वृति को अपने कार्यपद्धति के वेंद्र में रख कर देश भर विश्वविद्यालय परिसरों में काम करने वाले परिषद की जीत यूथ विथ हिन्दुत्व, यूथ विथ नेशन, यूथ विथ मोदी के विचार को भी मजबूत करता है।

एशियन पैरा गेम्स : अनुभव और राकेशभाई ने 100 मीटर दौड़ में जीते ब्रॉन्ज मेडल

(जीएनएस)।

नागोया , एशियन पैरा गेम्स 2026 में बुधवार को भारत के पैरा-एथलेटिक्स दल के लिए एक और शानदार दिन रहा। अनुभव चौधरी और राकेशभाई भट्ट ने पुरुषों की 100 मीटर दौड़ स्पर्धा के अपने-अपने फाइनल में ब्रॉन्ज मेडल जीते। चौधरी ने टी35 कैटेगरी में 12.72 सेकंड का अपना अब तक का सबसे बेहतरीन समय (पर्सनल-बेस्ट) निकालते हुए तीसरा स्थान हासिल किया। वहीं, भट्ट ने टी37 इवेंट में 11.50 सेकंड के अपने पर्सनल-बेस्ट समय के साथ पोडियम पर जगह बनाई। इन प्रदर्शनों के साथ, एशियन पैरा गेम्स में ट्रैक इवेंट्स में भारत के मेडलों की कुल संख्या 9 हो गई है, जिनमें गोल्ड मेडल भी शामिल हैं। पुरुषों की 100 मीटर टी35 फाइनल में ईरान के अलीरेजा जारे ने 12.32 सेकंड के गेम्स रिकॉर्ड समय के साथ गोल्ड मेडल जीता। इराक के इदरीस अल-जैदी ने 12.69 सेकंड का समय लेकर सिल्वर मेडल हासिल किया, जो उनका भी अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन था। इसके बाद चौधरी तीसरे स्थान पर रहे।

उत्तर प्रदेश के मेरठ के पास स्थित छुर गांव के इस एथलीट के लिए यह

ब्रॉन्ज मेडल एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। कम उम्र से ही निजी चुनौतियों का सामना करने वाले अनुभव ने कोच गौरव त्यागी के मार्गदर्शन में अपनी स्प्रिंटिंग (दौड़ने) की क्षमता को निखारा। इसके बाद वह दिल्ली आ गए, जहां अब वे राहुल पंवार की देखरेख में ट्रेनिंग ले रहे हैं। इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन करना, उनके खेल करियर की एक बड़ी उपलब्धि है।

भट्ट ने भी पुरुषों की 100 मीटर टी37 फाइनल में बेहतरीन प्रदर्शन किया। सऊदी अरब के अली अलनाखली ने 11.31 सेकंड के 'गेम्स रिकॉर्ड' के साथ गोल्ड मेडल जीता, जबकि इंडोनेशिया के सैप्टोयोगो पूणोमी ने 11.35 सेकंड के सीजन-बेस्ट समय के साथ सिल्वर मेडल अपने नाम किया। भट्ट ने 11.50 सेकंड का समय निकालकर ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

गुजरात के रहने वाले और भावनगर जिले के मोती बाबारियात गांव से ताल्लुक रखने वाले इस स्प्रिंटर ने भारत के प्रमुख पैरा-एथलीटों के बीच अपनी एक खास जगह बना ली है। टी37 100 मीटर में राष्ट्रीय रिकॉर्ड और टी37 200 मीटर में एशियाई रिकॉर्ड अपने नाम करने वाले भट्ट ने घरेलू चैंपियनशिप और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में शानदार प्रदर्शन किया है।

हाल ही में उन्होंने ग्लासगो में कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में हिस्सा लिया था, जहां वे पुरुषों की 100 मीटर टी38 फाइनल स्पर्धा में 11.82 सेकंड के अपने सीजन-बेस्ट समय के साथ पांचवें स्थान पर रहे। बुधवार को मिले इस मेडल के साथ उनके अंतरराष्ट्रीय पदकों के संग्रह में एक और मेडल जुड़ गया है।

कुणाल खेमू के शो अलायंस के दूसरे सीजन का ऐलान, अमेजन प्राइम वीडियो पर 14 जनवरी 2027 से होगा प्रसारण

(जीएनएस)।

अभिनेता कुणाल खेमू की मेजबानी वाले लोकप्रिय रियलिटी शो 'अलायंसइ के प्रशंसकों के लिए अच्छी खबर है। निमार्ताओं ने शो के दूसरे सीजन की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इसके साथ ही नए सीजन के प्रसारण की तारीख भी तय कर दी गई है। यह शो 14 जनवरी, 2027 से अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रसारित होगा।

जून 2026 में प्रसारित हुए पहले सीजन को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। इसी लोकप्रियता को देखते हुए निमार्ताओं ने इसे दूसरे सीजन के साथ वापस लाने का फैसला किया है। पहले सीजन में डेजी शाह, अर्सलान गोनी, सोहेल खान, कुशाल टंडन और मैक्सटर्न समेत कुल 16 प्रतियोगियों ने हिस्सा लिया था। प्रतियोगियों के बीच

गठबंधन बनाने, रणनीति तैयार करने और एक-दूसरे को चुनौती देने के कारण यह शो चर्चा में रहा। पहले सीजन की विजेता मिनी माथुर बनी थीं।

अमेजन प्राइम वीडियो ने सामाजिक माध्यम 'एक्सइ पर आधिकारिक पोस्टर जारी कर दूसरे सीजन की घोषणा की। पोस्ट के साथ दिए गए संदेश में नए गठबंधनों, अधिक नाटकीय घटनाक्रम और गठबंधनों के टूटने का संकेत दिया गया है। इससे उम्मीद की जा रही है कि नए सीजन में प्रतियोगियों के बीच रणनीतिक मुकाबला और रोमांच देखने को मिलेगा।

'अलायंस' की खासियत इसका गठबंधन, विश्वासघात और रणनीति पर आधारित प्रारूप है।

एशियन पैरा गेम्स : पावरलिफ्टिंग में देश की झोली में आया एक और मेडल, कस्तूरी राजामणि ने जीता सिल्वर

(जीएनएस)।

नागोया , एशियन पैरा गेम्स 2026 में बुधवार को भारत के पावरलिफ्टिंग अभियान को एक और बड़ी सफलता मिली। कस्तूरी राजामणि ने महिलाओं के 67 किलोग्राम वर्ग में सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने अपने आखिरी प्रयास में 108 किलो का भार उठाते हुए मेडल पर कब्जा जमाया। तमिलनाडु की रहने वाली 42 वर्षीय कस्तूरी राजामणि, उज्बेकिस्तान की रुखशोना उक्तामोवा के बाद दूसरे स्थान पर रहीं। उक्तामोवा ने 127 किलो का भार उठाकर गोल्ड मेडल जीता। साउथ कोरिया की किम ह्योंगहुई ने 107 किलोग्राम का सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया। राजामणि ने प्रतियोगिता के दौरान लगातार बेहतर प्रदर्शन किया। उन्होंने अपने पहले प्रयास में 103 किलो का भार उठाया। इसके बाद दूसरे प्रयास में वह 106 किलो का वजन उठाने में सफल रहीं। अपने आखिरी प्रयास में उन्होंने 108 किलो का वजन सफलतापूर्वक उठाया, जिससे उन्हें मेडल विजेताओं की सूची में जगह मिली।

सिल्वर मेडल के लिए मुकाबला आखिरी पलों तक रोमांचक बना रहा। साउथ कोरियाई एथलीट किम अपने पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन में सुधार नहीं कर सकीं, जिससे राजामणि उनसे आगे निकल गईं। दोनों के सर्वश्रेष्ठ लिफ्ट के बीच केवल 1 किलो का अंतर निर्णायक साबित हुआ, जिसने भारतीय एथलीट को इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में दूसरा स्थान दिलाया।

यह मेडल राजामणि के लिए एक बड़ी उपलब्धि है, जो एशियन पैरा भी वैलेंडर नववर्ष के रूप में ही अपने जीवन से जोड़ लिया हैं और उसे भी सेलीब्रेट करते है।

हम देखे की भारत के मंदिरों में 1 जनवरी को दर्शन हेतु जाने वाले वुल संख्या का बड़ा हिस्सा युवा आबादी का है। मात्र इसी वर्ष का आंकड़ा लिया जाए, जो हमें टिकट बुकिग और होटल बुकिग साइट से मिलता है। जिसमे ज्ञात होता है कि काशी विश्वनाथ मंदिर में वुल दर्शनार्थियों में 35 प्रतिशत से अधिक युवा शत्ति थी। वही अयोध्या में 40 प्रतिशत और तिरुपति मंदिर में 35 प्रतिशत थे।

इसी प्रकार देश भर के मंदिरों में भारी संख्या में युवा शत्ति मंदिरों की ओर जा रही है। मठो मंदिरों की तरफ हमारी युवा शत्ति का रुझान बहुत तेज़ी से बढ़ रहा है, आप देखे की कई युवा हटकर बनीं फ ल्मों को काफी सफलता दिलाईं।

हमारी प्रेरणा छत्रपति शिवाजी महाराज है। जिन्होंने अपनी युवा अवस्था में ही हिन्दुत्व के आधार पर भारत की राजव्यवस्था का संचालन हो इसके लिए शिवसाही जैसी व्यवस्था प्रदान की। हमारे प्रेरणा के वेंद्र वीर विनायक सावरकर है जिन्होंने अंग्रेजी राज के विरुद्ध कठोर संघर्ष किया।

हमारा युवा भगत सिह को अपनी प्रेरणा के वेंद्र में रखता है।

आप में से बहुत कम लोग यह जानते होंगे कि भगत सिह पर आर्य समाज का काफी प्रभाव पड़ा था।

भगत सिह जी की जेल डायरी को देखा जाए तो उसमें बहुत सी बाते वीर सावरकर जी की पुस्तक हिदू पद पादशाही से ली गईं है। अभी हाल ही में प्रकाशित पुस्तक "हिन्दुत्व फॉर जेन-जेड" में भारत की युवा तरुणाईं

एशियन पैरा गेम्स : मंजीत ने पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ13 कैटेगरी में सिल्वर मेडल जीता, खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई

(जीएनएस)।

नागोया, भारतीय पैरा-एथलीट मंजीत व्यास ने बुधवार को आइची-नागोया 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ13 में सिल्वर मेडल जीतकर अपने करियर का सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 61.03 मीटर का पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड बनाया। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंजीत को बधाई देते हुए एक्स पर लिखा, "एशियाई पैरा गेम्स 2026 में पुरुषों की जैवलिन थ्रो एफ12/एफ13 में सिल्वर मेडल जीतने पर मंजीत को बधाई।" कंबाइंड एफ12/13 इवेंट में हिस्सा लेते हुए, मंजीत ने अपनी दूसरी कोशिश में अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन किया। उनका थ्रो एफ13 कैटेगरी में पोडियम फिनिश दिलाने में अहम साबित हुआ, जिससे भारतीय एथलीट ने कॉन्टिनेंटल स्टेज पर एक और बड़ा मेडल जीतकर एक अच्छा सीजन खत्म किया।

यह सिल्वर मेडल 2026 में मंजीत के शानदार नतीजों की लिस्ट में शामिल है। उन्होंने इससे पहले दिल्ली में वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स ग्रां प्री और बेंगलुरु में इंडियन ओपन पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, दोनों में पुरुषों की एफ13 जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीता था। उन्होंने एशियन पैरा गेम्स क्वालीफायर में 59.08 मीटर के थ्रो के साथ पोडियम पर भी टॉप किया, जिससे कॉन्टिनेंटल कॉम्पिटिशन में उनके कैंपेन के लिए स्टेज तैयार हो गया।

इससे पहले, जेवलिन में भारत के मेडल की गिनती में प्रदीप कुमार और आयुष वर्मा ने बढ़ोतरी की, जो पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ53 कैटेगरी में क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे।

एफ54 क्लासिफिकेशन में मुकाबला कर रहे प्रदीप ने अपना बेस्ट आखिरी कोशिश के लिए बचाकर रखा था और 27.45 मीटर का पर्सनल बेस्ट रिकॉर्ड करके सिल्वर मेडल जीता। यह नतीजा एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों की जेवलिन एफ54 इवेंट में उनका दूसरा सिल्वर मेडल था। वह चीन के हांगझोऊ में 2022 एडिशन में रनर-अप रहे थे और 2026 नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी गोल्ड मेडल जीता था।

इस बीच, आयुष ने ब्रॉन्ज मेडल जीतने के लिए अपनी पांचवीं कोशिश में 17.88 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो किया। उनके परफॉर्मेंस से उन्हें पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने के लिए काफी रजा पॉइंट्स मिले, क्योंकि पॉइंट्स-बेस्ड सिस्टम में अलग-अलग क्लासिफिकेशन वाले एथलीटों को सिर्फ दूरी के बजाय उनके परफॉर्मेंस के आधार पर आंका जाता है।

सोमवार को, रिंकू हुड्डा और अजीत सिंह ने पुरुषों की जेवलिन थ्रो एफ46 इवेंट में टॉप दो पोजीशन हासिल कीं, जिससे इस डिसिप्लिन में भारत का मेडल का खाता खुला।

रिंकू ने 65.11 मीटर के थ्रो के साथ गोल्ड जीता, जबकि अजीत ने 65.02 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर जीता। दोनों हमवतन खिलाड़ियों के बीच सिर्फ नौ सेंटीमीटर का अंतर था, जिससे यह एक करीबी मुकाबला बन गया और भारत को इस इवेंट में एक-दो का नतीजा मिला।

मंजीत के पर्सनल-बेस्ट सिल्वर और प्रदीप और आयुष के पोडियम फिनिश के साथ, भारत ने पैरा-एथलेटिक्स में लगातार मजबूत परफॉर्मेंस के जरिए अपनी मेडल टैली बढ़ाना जारी रखा है।

ऐतिहासिक रामलीला में दशानन वध के दौरान सुरक्षा का रहा कड़ा पहरा

400 पुलिसकर्मियों की तैनाती से छावनी बना मेला क्षेत्र, सीओ राहुल पांडेय ने ब्रीफिंग कर दिए थे सतर्कता के निर्देश

(जीएनएस)।

बीसलपुर की ऐतिहासिक श्रीरामलीला में आज दशानन रावण का वध किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह है। रावण वध देखने के लिए हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था के व्यापक इंतजाम किए हैं। पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है।

श्रद्धालुओं की सुरक्षा और कार्यक्रम को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सीओ राहुल पांडेय ने पुलिसकर्मियों की ब्रीफिंग की। इस दौरान उन्होंने ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों को सतर्कता बरतने और भीड़ को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। सुरक्षा व्यवस्था के तहत करीब 400 पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। इसके अलावा अन्य थानों से भी पुलिस बल बुलाया गया है, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

पुलिस प्रशासन ने रावण वध कार्यक्रम में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए

आवश्यक व्यवस्थाएं की हैं। मेला क्षेत्र में भीड़ की स्थिति पर नजर रखने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। अधिकारियों ने पुलिस बल को निर्देश दिए हैं कि कार्यक्रम के दौरान पूरी मुस्तैदी के साथ ड्यूटी करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल ध्यान दें।

सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि दशानन वध कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा संबंधी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। वहीं, कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार शुक्ला के नेतृत्व में बीसलपुर पुलिस सुरक्षा व्यवस्था संभालेगी। पुलिसकर्मी प्रमुख स्थानों और मेला क्षेत्र में तैनात रहकर निगरानी करेंगे।

ऐतिहासिक श्रीरामलीला के इस प्रमुख आयोजन को देखते हुए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। अधिकारियों का प्रयास है कि रावण वध कार्यक्रम शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न हो और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

चौबेपुर-बिठूर मार्ग पर नून नदी का नया पुल धंसा, हादसे की आशंका

(जीएनएस)।

विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव ने मौके पर पहुंचकर सरकार को घेरा, जिलाधिकारी से पुल की मरम्मत कराने की अपील

बिल्हौर/चौबेपुर। चौबेपुर से बिठूर जाने वाले मार्ग पर नून नदी पर बने नए पुल के पास सड़क धंसने से हादसे की आशंका बढ़ गई है। सड़क के किनारे गहरी खाई बन गई है, जिससे इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामले की जानकारी मिलने पर समाजवादी पार्टी के बिल्हौर विधानसभा अध्यक्ष इंजीनियर विनय यादव मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

इंजीनियर विनय यादव ने पुल और सड़क की स्थिति को लेकर सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में भ्रष्टाचार और लापरवाही के कारण

ऐसी स्थिति पैदा हुई है। उन्होंने कहा कि इस मार्ग से रात-दिन बड़े वाहनों का आवागमन होता है। पुल के नीचे करीब 50 से 60 फीट गहरी खाई होने के कारण सड़क का धंसना किसी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

उन्होंने जिलाधिकारी से अपील की कि मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को तत्काल मौके पर भेजा जाए और पुल व सड़क की तकनीकी जांच कराकर आवश्यक मरम्मत कराई जाए, ताकि किसी अप्रिय घटना से पहले समस्या का समाधान हो सके।

विनय यादव ने कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोपरि है। सड़क और पुल की खराब स्थिति के कारण स्थानीय लोगों को आवागमन में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन को इस मामले में तत्काल कार्रवाई करनी चाहिए।

इस दौरान जीतेन्द्र राजपूत, हरि प्रकाश उर्फ कल्लू, फायज बंटी और श्याम जी सविता सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

रामनगर प्राथमिक विद्यालय में गूंजी खुशियों की किलकारी, समाजसेवी रमेश कुमार गौतम ने बच्चों को बांटी शैक्षिक सामग्री

संवाददाता चांदनी रावत

भाजपा नेता की पहल से खिले नौनिहालों के चेहरे, शिक्षा के प्रति किया प्रोत्साहित

माल, लखनऊ। समाजसेवा का उद्देश्य जरूरतमंदों की मदद करने के साथ ही उनके जीवन में खुशियां लाना भी है। इसी भावना के साथ भाजपा नेता एवं समाजसेवी रमेश कुमार गौतम ने माल विकासखंड की ग्राम पंचायत सस्पन के मजरे रामनगर स्थित प्राथमिक विद्यालय पहुंचकर बच्चों को कॉपियां, पेंसिल, रबर सहित अन्य पठन-पाठन सामग्री वितरित की। शैक्षिक सामग्री पाकर बच्चों के चेहरों पर खुशी झलक उठी।

बच्चों को शिक्षा के लिए किया प्रेरित

विद्यालय में आयोजित इस पहल के दौरान रमेश कुमार गौतम ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं। उनकी शिक्षा और बेहतर भविष्य के निर्माण में समाज के प्रत्येक सक्षम व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। शिक्षा ऐसी ताकत है, जो बच्चों को जीवन में आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक संसाधनों की कमी किसी भी बच्चे की पढ़ाई में बाधा नहीं बननी चाहिए। जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाई की सामग्री उपलब्ध कराना एक छोटा-सा प्रयास जरूर है, लेकिन इससे उनके अंदर सीखने की ललक और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास मजबूत होता है।

समाजसेवा की पहल की हुई सराहना

रमेश कुमार गौतम की इस पहल से विद्यालय के बच्चों में खास उत्साह देखने को मिला। बच्चों को शैक्षिक सामग्री वितरित किए जाने के इस प्रयास को विद्यालय परिवार और ग्रामीणों ने सराहनीय बताया। ग्रामीणों का मानना है कि समाज के लोगों द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग किए जाने से सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों का मनोबल बढ़ता है।

यह पहल संदेश देती है कि समाज के विकास की शुरूआत बच्चों की शिक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य को संवारने से होती है। यदि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति जरूरतमंद बच्चों की मदद के लिए आगे आए, तो शिक्षा की राह में आने वाली कई बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

किसान दिवस पर बीसलपुर मंडी की धान खरीद पर उठे सवाल, भाकियू (भानू) ने डीएम को सौंपा प्रार्थना पत्र

बिचौलियों की सक्रियता, मिलर्स के स्टॉक और मंडी सचिव की तैनाती की जांच कराने की मांग

(जीएनएस)।

पीलीभीत। गोमती सभागार, विकास भवन पीलीभीत में बुधवार को आयोजित किसान दिवस के मौके पर भारतीय किसान यूनियन (भानू) ने बीसलपुर मंडी समिति में सरकारी धान खरीद की व्यवस्था पर सवाल उठाए। संगठन के मंडल उपाध्यक्ष संचित दीक्षित ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर धान खरीद में कथित अनियमितताओं, बिचौलियों की सक्रियता और किसानों को हो रही परेशानियों की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया गया है कि बीसलपुर मंडी में सरकारी धान खरीद के दौरान किसानों को तौल, खरीद और भुगतान संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। संगठन ने मंडी में कथित रूप से सक्रिय बिचौलियों की पहचान कराने और यह जांचने की मांग की है कि कहीं उनका मंडी कर्मचारियों, अधिकारियों या मिलर्स से कोई गठजोड़ तो नहीं है।

भाकियू (भानू) ने धान खरीद

करने वाले बड़े मिलर्स के स्टॉक, आवक, खरीद और उठान से संबंधित अभिलेखों का भौतिक सत्यापन कराने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही तौल पर्चियों, खरीद रजिस्टर, ऑनलाइन प्रविष्टियों, भुगतान अभिलेखों और धान उठान के रिकॉर्ड का मिलान कराने की मांग उठाई, ताकि सरकारी खरीद में किसी भी तरह की गड़बड़ी सामने आ सके।

प्रार्थना पत्र में मंडी सचिव नाजिम अली की एक ही स्थान पर पांच वर्ष से अधिक समय से तैनाती की नियमानुसार जांच कराने और आवश्यकता पड़ने पर उनका स्थानांतरण दूसरी मंडी समिति में करने का अनुरोध भी किया गया है। इसके अलावा छोटे लाइसेंसधारी खरीददारों के साथ कथित भेदभाव की जांच कराने तथा मंडी की सीसीटीवी फुटेज, गेट पास, आवक रजिस्टर और तौल कांटों के रिकॉर्ड की पड़ताल कराने की मांग की गई है।

किसान हितों से जुड़ा मामला बताते हुए संगठन ने निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की। संचित दीक्षित ने मांग की कि यदि जांच में किसी व्यक्ति, कर्मचारी या अधिकारी की भूमिका संदिग्ध अथवा दोषपूर्ण पाई जाती है तो उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाए। संगठन का कहना है कि सरकारी धान खरीद प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए, ताकि किसानों को अपनी उपज बेचने में किसी तरह की परेशानी न हो। प्रार्थना पत्र में लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

शिक्षक एमएलसी चुनाव में सपा का शक्ति प्रदर्शन, धर्मेश गंगवार के नेतृत्व में पांच शिक्षण संस्थानों में मांगा समर्थन

बीसलपुर के पांच शिक्षण संस्थानों में पहुंची सपा की टीम, हाजी दानिश अख्तर के पक्ष में मतदान की अपील

(जीएनएस)।

बीसलपुर। शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने बीसलपुर विधानसभा क्षेत्र में संपर्क अभियान तेज कर दिया है। बुधवार को सपा जिलाध्यक्ष धर्मेश गंगवार के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने क्षेत्र के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में पहुंचकर शिक्षक साथियों से मुलाकात की और शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी हाजी दानिश अख्तर के पक्ष में मतदान करने की अपील की।

सपा नेताओं ने बाला देवी रोशन लाल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन, केके यस इंटर कॉलेज, बीडीजीएल इंटर कॉलेज, एसआरएम इंटर कॉलेज और कुंवर झंकार सिंह इंटर कॉलेज, बीसलपुर पहुंचकर शिक्षकों से संपर्क किया। इस दौरान पार्टी नेताओं ने शिक्षक एमएलसी चुनाव में हाजी दानिश अख्तर को समर्थन देने की अपील करते हुए शिक्षकों से उनके पक्ष में मतदान करने का आग्रह किया।

इस संपर्क अभियान में सपा विधानसभा अध्यक्ष शैलेश शर्मा एडवोकेट, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य राम प्रताप गंगवार, जिला पंचायत की पूर्व सदस्य गायत्री गंगवार, विधानसभा उपाध्यक्ष मीनाक्षी गंगवार, अकील अंसारी, समाजवादी छात्र सभा के जिलाध्यक्ष अभिषेक गंगवार और मोहम्मद रजा अंसारी सहित अनेक सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। पार्टी नेताओं ने शिक्षकों से संवाद कर प्रत्याशी के समर्थन में माहौल बनाने का प्रयास किया।

बीसलपुर मंडी में भाजपा विधायक विवेक वर्मा और एसडीएम नागेंद्र पांडे का औचक निरीक्षण, 36 केंद्रों की जांच में खुली अव्यवस्थाओं की पोल

(जीएनएस)। पीलीभीत

बीसलपुर। धान खरीद व्यवस्था की हकीकत परखने के लिए बुधवार को विधायक विवेक वर्मा और एसडीएम नागेंद्र पांडे ने मंडी समिति में संचालित 36 धान क्रय केंद्रों का अचानक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान करीब आधा दर्जन केंद्र प्रभारी अनुपस्थित मिले। कई केंद्रों पर धान में नमी मापने वाले यंत्र खराब पाए गए, जबकि किसानों के लिए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था भी नहीं मिली। इन कमियों पर अधिकारियों ने नाराजगी जताई। एसडीएम ने अनुपस्थित केंद्र प्रभारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए।

निरीक्षण में सामने आई अव्यवस्थाएं

विधायक और एसडीएम ने मंडी समिति में संचालित धान क्रय केंद्रों पर पहुंचकर वहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कर्मचारियों की गैरमौजूदगी और जरूरी उपकरणों की खराबी सामने आई। धान में नमी की मात्रा जांचने वाले यंत्र खराब मिलने से खरीद प्रक्रिया में आने वाली दिक्कतों को लेकर भी सवाल उठे।

वहीं, अपनी उपज बेचने मंडी पहुंचने वाले किसानों के लिए पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था नहीं मिली। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

अनुपस्थित प्रभारियों का वेतन काटने के निर्देश

निरीक्षण के दौरान मिली खामियों को गंभीरता से लेते हुए एसडीएम नागेंद्र पांडे ने अनुपस्थित केंद्र प्रभारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी केंद्रों पर कर्मचारियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने, खराब नमी मापक यंत्रों को तत्काल ठीक कराने और किसानों के लिए जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि धान खरीद में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

दलालों की गतिविधियों पर भी नजर

विधायक विवेक वर्मा ने मंडी परिसर में दलालों की गतिविधियों पर भी सख्त रुख अपनाया। उन्होंने किसानों की धान खरीद में अनुचित हस्तक्षेप और दलाली करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी। मंडी परिसर में बिना नंबर प्लेट वाले ट्रैक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने और अनावश्यक रूप से घूमने वाले लोगों पर रोक लगाने के निर्देश भी दिए गए। व्यवस्थाओं में मिली कमियों को लेकर मंडी के एमओ रतन सेन सिंह को भी फटकार लगाई गई।

दोबारा खामियां मिलीं तो होगी कार्रवाई

अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि धान क्रय केंद्रों पर किसानों को जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराना और सरकारी खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बनाए रखना प्राथमिकता है। कर्मचारियों की अनुपस्थिति, खराब उपकरण और बुनियादी सुविधाओं की कमी को दूर करने के निर्देश दिए गए। साथ ही चेतावनी दी गई कि आगामी निरीक्षण में दोबारा खामियां मिलने पर जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जयकारों के साथ कल्याणी नदी में हुआ माँ दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन, सेकड़ों भक्तों ने ली विदाई

(जीएनएस)।

मसौली बाराबंकी। नवरात्रि के मौके पर भव्य पंडालों एव मनमोहक झांकियों के बीच स्थापित की गयीं माँ दुर्गा की प्रतिमाओं के नव दिनों तक चले पूजा अर्चना के बाद दशवें दिन शोभायात्रा निकाल कर नदी में विसर्जित किया गया। इस दौरान कल्याणी नदी पड़रिया घाट पर आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा जय माता दी के उदघोष से पूरा इलाका भक्तिमय हो गया।

नवरात्रि के मौके पर कस्बा मसौली सहित बड़ागांव, बांसा, रहरामऊ, धनकुट्टी, धरौली, नेवला करसन्ड़ा, ज्योरी, शहाबपुर, भयारा, डेढ़वा,बिंदौरा, सआदतगंज, सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में स्थापित की गयीं प्रतिमाओं की पूजा अर्चना के बाद मंगलवार को गाँव से प्रतिमा जुलूस पुलिस की कड़ी सुरक्षा व्यवस्था गाजे बाजे के साथ निकाला गया।जुलूस के दौरान माँ के भक्तो द्वारा जगह जगह हलवा, पूड़ी लईया, चना सहित खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। माँ के जयकारे के चलते पूरा क्षेत्र भक्ति में सरोवर हो गया। विभिन्न गांवों एव मजरों से निकली माँ की शोभायात्रा दोपहर बाद हाईवे पर स्थिति मसौली चौराहा पड़रिया पूल कल्याणी नदी पहुँची जिससे माँ की शोभायात्रा एक बड़े जुलूस में परिवर्तित हो गयी और देर शाम तक नदी में 5 दर्जन से अधिक माँ की प्रतिमाओं का विसर्जन पूजन अर्चन के बाद किया गया। जुलूस में शान्ति बनाये रखने के लिये सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रही प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर पुलिस बल तैनात किया गया था।

इसी क्रम में ग्राम बांसा,रहरामऊ, चक, धनकुट्टी की प्रतिमाओं का विसर्जन दूसरे दिन शोभायात्रा के साथ दुर्गा रोड होते हुए सफदरगंज थानाक्षेत्र के ग्राम सिकन्दरपुर घाट कल्याणी नदी में हजारो भक्तो की मौजूदगी में किया गया। कस्बा सफदरगंज के निकट कल्याणी नदी घाट पर कस्बा सआदतगंज, रामपुर कटरा,मुश्कीनगर सहित जिले के विभिन्न जगहों से आयी लगभग डेढ़ सैकड़ा से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन माँ की आरती के साथ किया गया। घाट पर भारी भरकम भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रभारी निरीक्षक मसौली छोटेलाल, सफदरगंज अजय प्रकाश त्रिपाठी द्वारा किये गए प्रयास काफी सराहनीय रहे।

लोक भारती पहनायेगी तीर्थ क्षेत्रों को हरिशंकरी की माला

(जीएनएस)।

लखनऊ। लोक भारती द्वारा उत्तर प्रदेश के चारों परिक्रमा पथों अयोध्या, मथुरा, नैमिषारण्य और चित्रकूट के हर कोस पर हरिशंकरी (पीपल, बरगद, पाकड़ एक ही थाले में) रोपित कर हरिशंकरी की माला पहनाने का अभियान चलाया जा रहा है।

लोक भारती के अवध क्षेत्र अध्यक्ष व यात्रा प्रभारी पवन सिंह चौहान ने बताया कि प्रथम चरण में आगामी 24 से 29 अक्टूबर तक नैमिषारण्य के 84 कोस परिक्रमा पथ पर यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रत्येक कोस का नामकरण प्रतिनिधि ऋषि के नाम से पूज्य संतों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में समाज द्वारा हरिशंकरी रोपण किया जाएगा। भविष्य में हर कोस पर लगे हरिशंकरी को कोस पड़ाव के रूप में स्थापित किया जाएगा।

राष्ट्रीय संगठन मंत्री बृजेन्द्र पाल सिंह ने बताया कि हर कोस पड़ाव पर शासन से प्रकाश, जल, प्रसाधन एवं बैठने की व्यवस्था की मांग की जाएगी। हरिशंकरी का रोपण समाज के सभी वर्गों को आमंत्रित कर शासन व जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में उत्सव पूर्वक (यज्ञ, स्वस्ति वाचन, मंत्रोच्चार, परिक्रमा आदि) किया जाएगा।

राष्ट्रीय संगठन सचिव गोपाल उपाध्याय ने बताया कि परिक्रमा का उद्घाटन 24 अक्टूबर शनिवार को प्रातः 9 बजे चक्रतीर्थ पर हरिशंकरी रोपित कर प्रारंभ होगा तथा हर कोस पर हरिशंकरी लगाते हुए 29 अक्टूबर को यात्रा का समापन होगा। यात्रा के दौरान स्थान-स्थान पर जनसभाएं एवं उत्सवों का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रदेश सरकार के मंत्रीगण, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं पूज्य संतगण आमंत्रित हैं। इससे पूर्व लोक भारती मथुरा के गोवर्धन परिक्रमा पथ एवं चित्रकूट के कामदगिरि परिक्रमा पथ पर हरिशंकरी रोपित कर चुका है।

अवध प्रान्त संयोजक कमलेश सिंह ने यात्रा मार्ग की जानकारी देते हुए बताया कि यात्रा 24 को चक्रतीर्थ नैमिषारण्य से प्रारंभ होकर कोरीना, द्वारिकाधीश, हरैया, नगरवां, कोथावां, गिरधरपुर, उमरारी, साक्षी, गोपालपुर, देवगंवा, मंदरुआ, जरिंगवा, नैमिषारण्य, बरेठी होते हुए मिश्रिख पर समाप्त होगी।

इस अवसर पर पवन सिंह चौहान, बृजेन्द्र पाल सिंह, गोपाल उपाध्याय,

बच्चों की मेहनत और हुनर से तैयार हुआ रावण का पुतला, मल्लावां के बादाटोला गंगारामपुर में दिखा उत्साह।

(जीएनएस)।

मल्लावां (हरदोई)। जनपद हरदोई के मल्लावां क्षेत्र के मोहल्ला बादाटोला गंगारामपुर में बच्चों ने अपनी मेहनत, लगन और रचनात्मकता का परिचय देते हुए रावण का पुतला तैयार किया। बच्चों द्वारा मिल-जुलकर बनाए गए पुतले को लेकर मोहल्ले में उत्साह का माहौल देखने को मिला। बच्चों की इस पहल ने लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

रावण का पुतला बनाने में अभय, अंश, आयुष, अर्पित, रौनक, रचित, प्रांजल, कुनाल, कृष्णा और शिखर ने मिलकर योगदान दिया। सभी बच्चों ने आपसी सहयोग और उत्साह के साथ पुतले को तैयार किया। उनकी मेहनत और लगन ने बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित किया।

दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है। रावण के पुतले का निर्माण इसी परंपरा के प्रति बच्चों के उत्साह और त्योहारों से जुड़ाव को दशार्ता है। मल्लावां के मोहल्ला बादाटोला गंगारामपुर के इन बच्चों की पहल सामूहिक सहयोग और हुनर की एक अच्छी मिसाल बनी।

जादू-टोने के झांसे में लेकर महिला के जेवर उड़ाए

(जीएनएस)।

मलिहाबाद। कोतवाली क्षेत्र के कस्मंडी खुर्द के मधवापुर मजरा निवासी एक महिला से दिनदहाड़े जेवर ठगने का मामला सामने आया है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।पीड़िता पुष्पा पत्नी रामलखन ने पुलिस को बताया कि 20 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:30 बजे वह गैस लेने मधवापुर पावर हाउस की ओर जा रही थीं। रास्ते में दो अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया और कथित तौर पर जादू-टोने व सम्मोहन का झांसा देकर अपने जाल में फंसा लिया। इसके बाद शातिर बदमाशों ने उनके गले से सोने की माला और दो बाले उतार लिए। छीने गए जेवरों की कीमत करीब 90 हजार रुपये बताई जा रही है। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

कानपुर नगर में अज्ञात युवक का शव मिलने से मचा हड़कंप, पहचान कराने में जुटी पुलिस

तिवारी चौराहा के पास तिवारी पार्क में मिला करीब 30 वर्षीय युवक का शव, परिजनों तक सूचना पहुंचाने के लिए पुलिस की अपील

(जीएनएस)।

कानपुर नगर। कानपुर नगर के नौबस्ता थाना क्षेत्र में बुधवार, 21 अक्टूबर 2026 को तिवारी चौराहा के पास स्थित तिवारी पार्क में एक अज्ञात युवक का शव मिलने से इलाके में चर्चा का माहौल है। सूचना मिलने के बाद पुलिस मृतक की पहचान कराने के प्रयास में जुटी है, ताकि उसके परिजनों तक जानकारी पहुंचाई जा सके।

पुलिस की ओर से जारी सूचना के अनुसार, मृतक की उम्र करीब 30 वर्ष बताई गई है। युवक का रंग गेहुँआ, चेहरा लंबा और कद औसत बताया गया है। शव मिलने के समय युवक ने काले रंग का अंडरवियर पहन रखा था।

पुलिस ने आमजन से की सहयोग की अपील

नौबस्ता पुलिस ने लोगों से अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति को दिए गए हुलिये के आधार पर किसी लापता युवक के संबंध में जानकारी हो, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें। आमजन से इस सूचना को अधिक से अधिक साझा करने का भी अनुरोध किया गया है, जिससे मृतक की पहचान करने में मदद मिल सके।

संपर्क नंबरः – प्रभारी निरीक्षक, थाना नौबस्ताः 9454403741 – चौकी प्रभारी हंसपुरम, उपनिरीक्षक उदय प्रताप सिंहः 7839863219

पुलिस की अपील है कि किसी भी संभावित जानकारी को स्वयं सत्यापित करने के बजाय सीधे संबंधित पुलिस अधिकारियों तक पहुंचाएं। मृतक की पहचान के संबंध में आधिकारिक पुष्टि होने तक किसी भी अपुष्ट जानकारी या अटकल को साझा करने से बचें।